Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

58

विकसित भारत @2047 का युवाओं के विकास हेतु योगदान

डॉ. रेश्मी महिश्वर

Assistant Professor, Department of Commerce

Sw. Daau Ramchandra Sahu Shaskiya Mahavidyalya Ranitarai, chhattisgarh

डॉ. आकाश वासनीकर

डॉ. प्रभा गोसाई

युवा शक्ति का दोहन करने के लिए हमें अपने विचारों से, अपने प्रयासों से युवा होना होगा! युवा होने का अर्थ है अपने प्रयासों में गतिशील रहना। युवा होना हमारे दृष्टिकोण में विहंगम होना है। युवा होना व्यावहारिक होना है! अगर दुनिया समाधान के लिए हमारी ओर देखती है, तो यह हमारी 'अमृत' पीढ़ी के समर्पण के कारण है।''

श्री नरेंद्र मोदी

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

सारांश

विकसित भारत@2047 भारत सरकार की भविष्य दृष्टि है, जिसका मुख्य उद्देश्य 2047 तक, अपनी आज़ादी के 100वें वर्ष तक, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है जो दृष्टिकोण आर्थिक विकास के साथ देश के सर्वांगीण विकास के विभिन्न पहलुओं को अपने अंदर समेकित करता है। वर्तमान में देश का युवा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है वहीं भारत के निर्माण की संकल्पना के साथ युवाओं के आवास एवं विचार को जोड़ने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रारंभ किया गया जहां देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से युवाओं तक पहुंच बनाने का कार्य किया गया। यह शोध पत्र न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन के आदर्श में एक बदलाव के रूप में लोकतंत्र को सही अर्थों में उचित ठहराते हुए, सर्वोत्तम कदम आगे बढ़ाकर प्रशासन को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए एक उपयुक्त रास्ता बताता है साथ ही शोध पत्र में युवाओं हेतु विकसित भारत के अंतर्गत बनाई गई विभिन्न योजनाओं का वर्णन किया गया है साथ ही युवा इसमें किस प्रकार अपना भागीदारी देंगे इसका विस्तृत वर्णन किया गया है।

प्रस्तावना

आज भारतवर्ष अपने विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है, आज देशवासियों में हमें विभिन्न प्रतिभाएं देखने को मिलती हैं साथ ही देश की युवा अपने समर्पण भावना एवं क्षमता के साथ दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं एवं विश्व पटल पर देश की पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। वही इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कि विकसित भारत की पहल ने युवाओं की क्षमता को

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

निखारने के लिए नेतृत्व करता के रूप में कार्य कर रहा है निश्चित ही 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए यह विकसित भारत अभियान मिल का पत्थर साबित होगा इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि विकसित भारत के विचार प्रत्येक युवा तक, खासकर महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय में पहुंच जाए। भारत जनसंख्या की लाभांश की एक ऐसी दहलीज पर है जहां 13 से 35 वर्ष की आयु के युवा लगभग आबादी के 40% से अधिक है, यह युवा मानव संसाधन के मूल्यवान जीवंत एवं गतिशील वर्ग है। हमारे देश की वृद्धि व विकास के लिए इन 'युवा उभार' के आलोक को सहेज कर रखना अति आवश्यक है।

यह भारत का अमृत काल है। भारत कई मोर्चों पर परिवर्तित और सशक्त हुआ है। भारत सरकार की विभिन्न नीतियों के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे में जबरदस्त विस्तार हुआ है। 144 करोड़ की आबादी में 29 वर्ष की औसत आयु के साथ भारत में दुनिया की कुल युवा आबादी का लगभग 20% हिस्सा है। यह बड़ी युवा आबादी हमारे लिए पथप्रदर्शक है जो एक विकसित और सशक्त भारत के रूप में देश को आगे बढ़ाएगी। भारत वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है, अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में शीर्ष पांच देशों में से एक के रूप में स्थित है। भारत का मिशन चंद्रयान, आदित्य L1. सूर्य मिशन और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बनना विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हमारी उत्कृष्टता को दर्शाता है।

देश के युवाओं को आकार देने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। व्यक्तित्व निर्माण का अभियान युवाओं के लिए गहरा महत्व रखता है क्योंकि यह न केवल दिमागों का पोषण करता है बल्कि विचार, दृष्टि में बदलाव लाने में भी सक्षम है। विकसित भारत कार्यक्रम

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

निश्चित रूप से सिर्फ एक पहल नहीं है, यह एक पीढ़ी को शामिल करने के लिए एक लॉन्च पैड है जो प्रत्येक युवा दिमाग को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए आगे बढ़ने का निमंत्रण है।

आज सामाजिक न्याय, पर्यावरण, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन और अन्य मुद्दों पर जोर देने की तत्काल आवश्यकता है जो हमारे अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। यह वास्तव में कई स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों के सामने आपको प्रासंगिकता प्रदान करने के लिए नए ज्ञान और समाधान बनाने का आधार है। शिक्षा का सार छात्रों को नए ज्ञान और कौशल, समाज को घेरने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना और सभी जीवित प्राणियों के दैनिक जीवन में सहायता के लिए सुधार करना और नवाचार से लैस करना है। सभी को इसमें शामिल होना चाहिए और अनुसंधान तथा गंभीर चुनौतियों के लिए नवीन व लागत प्रभावी समाधान प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

दिसंबर माह में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों के शिक्षक गणों से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री जी ने विशेष रूप से युवाओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया जहां उन्होंने विकसित भारत के इस संकल्पना को कैसे तेजी से पूरा किया जा सके एवं युवा ऊर्जा को कैसे श्रृंखलाकृत पर विशेष बल दिया। प्रधानमंत्री ने युवाओं को "विकसित भारत के लिए युवाओं के विचार@2047" नामक एक युवा आंदोलन के माध्यम से परिवर्तनकारी कार्यावली में सक्रिय रूप से शामिल होने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय में युवा अपने एक विशेष विचार के साथ आता है और हमें समझना होगा कि इसे

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

किस प्रकार से विकसित भारत की संकल्पना के साथ जोड़ा जा सकता है। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों में संकल्प यात्रा के माध्यम से जन-जन तक विकसित भारत अभियान के प्रति जागरूकता का प्रसारण किया जा रहा है। विकसित भारत के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए युवाओं के विचार आमंत्रित किए गए और विचारों तक पहुंच के लिए भारत सरकार द्वारा विशेष पोर्टल बनाया गया है जिसमें इनोवेशन इंडिया के माध्यम से युवा अपने विचार साझा कर सकते हैं। यह निम्न प्रकार है-

तनवीर बानो, अनिला वर्गीस, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ 35 (4), 389-391, 2023 ने अपने शोध पत्र *विकसित भारत संकल्प यात्रा: स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य* भारत सरकार द्वारा समय-समय पर आबादी के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जाने वाले कल्याणकारी कार्यक्रमों की विवेचना की है। शोध पत्र में उन्होंने केंद्रीय बजट में विकसित भारत

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

की 740 केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं की जानकारी दी है और उनके प्रभावशीलता के साथ लक्ष्य तक पहुंचाने की बात निहित की है साथ ही उन्होंने योजनाओं की पहुंच में आने वाली बढ़ाओ का भी विवरण दिया है एवं इनके समाधान के मार्गों को बतलाया है।

मेजर जनरल बीके शर्मा, एसएम एवीएसएम, द जर्नल ऑफ़ द यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंडिया 152 (630), 480-90, 2022 ने अपने शोध पत्र *उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत की विदेश नीति* का विस्तृत वर्णन करते हुए बतलाया है कि भारत का विश्व-दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' के दर्शन से प्रेरित है, प्राचीन संस्कृत ग्रंथ में पाया जाने वाला एक वाक्यांश जिसका अर्थ है कि विश्व एक परिवार है। भारत, वास्तव में, वैश्वीकरण और बहुपक्षवाद का एक मजबूत प्रतिपादक है। भारत, अपनी आजादी के 75 साल पूरे होने पर, 'विकसित भारत' (उन्नत भारत) के मिशन पर चल पड़ा है जो एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कायाकल्प मिशन जिसे 21वीं सदी के मध्य तक हासिल किया जाना है, इसमें अनिवार्य रूप से विकास पर आधारित सीएनपी की प्राप्ति निरोध, कूटनीति और रणनीतिक संचार शामिल है।

विकसित भारत@2047 का महत्व-

वर्तमान स्थिति में, भारत एक निम्न-मध्यम, उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने के लिए, इसे 2047 तक 13,846 डॉलर प्रति व्यक्ति जीएनआई की बाधा को पार करना होगा। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, समृद्धि के तीन प्रमुख संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने और काम करने की आवश्यकता है। समग्र सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धिशील वृद्धि देश के निश्चित अवधि में प्रति व्यक्ति

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

आय, देश में आय की असमानता में परिवर्तन, उस देश की मुद्रा में समग्र मुद्रास्फीति की दर और विनिमय दर में परिवर्तन पर निर्भर करता है।

विकसित भारत का उद्देश्य व योजनाएं -

समावेशी विकास और विभाजन को पाटने की आवश्यकता के संदर्भ में इसकी अपनी चुनौतियाँ हैं। इसके लिए आवश्यकताएं क्षेत्रीय कार्यक्रमों से परे होंगी साथ ही युवाओं को संबोधित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के हस्तक्षेपों व कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी। बहुआयामी तरीके से युवाओं को सक्षम बनाने के अवसर तलाशने में राष्ट्रीय विकास में बहुमुखी योगदान के लिए यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भागीदारी मूलतः उनकी शिक्षा पूरी करने की प्रक्रिया है। विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के लिए सुझाव प्रदान करने में व्यापक युवा छात्र भागीदारी को प्रोत्साहित करना आऔर वेब पेज पर सहभागिता को अधिकतम कर युवा विचार जानना है।

युवा समावेश प्रगति –

एक राष्ट्र के समग्र प्रगति के लिए आवश्यक है वहां के युवाओं की प्रगति, वर्तमान में 600 मिलियन लोग भारत में निवासरत है जिनकी उम्र 18 से 35 वर्ष की है। युवाओं को अमृत पीढ़ी का अग्रदूत मानकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने युवाओं के समक्ष पर्याप्त अवसर प्रदान करने पर जोर दिया है। युवा समावेश प्रगति का उद्देश्य युवाओं की समृद्धि, आत्मनिर्भरता, नए उत्पाद, विचार, सेवाओं एवं तकनीक में विकास करना है जिससे कि युवाओं की भलाई होगी एवं समाज में आर्थिक रूप से संपन्न बनेगा।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

अग्निपथ -

इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना में युवाओं की संख्या को बढ़ाना तथा युवाओं को मजबूत बनाकर सशस्त्र बल तैयार करना है। योजना के अंतर्गत भर्ती, प्रशिक्षण, पुनः नामांकन जैसी प्रक्रिया शामिल है। यह योजना मुख्य रूप से साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु तक के युवाओं के लिए भारतीय सुरक्षा बल में चार वर्ष तक सेवा का मौका उपलब्ध कराएगी, इसमें 6 माह का विशेष प्रशिक्षण युवाओं को दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात सैनिक अग्निवीर कहलाएंगे। 4 वर्ष के सेवा काल के पश्चात अग्नि वीरों को डिग्री तथा लगभग 12 लाख रुपए का वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

युवा उद्यमियों हेतु व्यावसायिक वातावरण-

देश को विकसित बनाने के लिए सरकार ने युवा उद्यमियों को बढ़ावा देने तथा सशक्त बनाने के साथ-साथ व्यापक रूप से डिजिटल परिवर्तन लाने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। इसके

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

अतिरिक्त देश के विकास को रोकने एवं प्रगति को धीमी करने वाली कमजोरी को जानकर उनमें सुधार करने तथा व्यवसाय के अनुकूल बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा ब्रिटिश काल से चले आ रहे लगभग 2000 से पुराने ऐसे कानून को भी समाप्त कर दिया गया है जो व्यवसाय में बाधा उत्पन्न होने की संभावनाएं हैं। छोटे व्यापारी, कारोबारी एवं उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा ऋण की सुविधा भी कम दर पर उपलब्ध कराई जा रही है तथा व्यवसाय हेतु सब्सिडी भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नवाचार को बढ़ावा-

युवाओं के नए विचार को सुरक्षित करने एवं विकसित भारत हेतु बौद्धिक संपदा अधिकार एक महत्वपूर्ण तत्व है, सरकार द्वारा पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट दाखिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। महाविद्यालय में नवाचार से संबंधित गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाते हैं जिसमें विशेष रूप से राज्य स्तरीय स्टार्टअप संस्थाओं का सहयोग होता है। महाविद्यालय एवं विशेष स्थानों पर बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित सम्मेलन एवं संगोष्ठी आयोजित करने पर भी जोड़ दिया जा रहा है और यही कारण है कि वर्तमान में महिला उद्यमियों, छोटे उद्योगों को बौद्धिक संपदा हेतु फीलिंग करने में सुविधा मिली है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति –

यह नीति भारतीय लोकाचार में एक ऐसी नई शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है जिसमें समाज के युवाओं को समतामूलक एवं जीवंत ज्ञान का विकास होगा। यह समाज को उच्च गुणवत्ता वाली

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

शिक्षा प्रदान करके भारत को वैश्विक ज्ञान की महाशक्ति बना देगा। इस नीति के अंतर्गत संस्थाओं का पाठ्यक्रम अथवा शिक्षा शास्त्र इस प्रकार बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है जिससे कि छात्रों में मौलिक कर्तव्यों के प्रति सम्मान की गहरी भावना भी विकसित की जा सके तथा संवैधानिक मूल्य एवं भूमिकाओं के प्रति युवाओं को जागरूक किया जा सके। नीति में मुख्य रूप से शिक्षार्थियों में कर्म, ज्ञान, कौशल मूल्य और गर्व के स्वभाव को विकसित करना है साथ ही मानव अधिकार, जीवनयापन, सतत विकास के प्रति जिम्मेदारी प्रतिबद्धता की भावना जागृत करना है।

किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम-

भारत सरकार ने माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम के शुरुआत का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। भारतीय एवं वैश्विक अनुभवों से ज्ञात होता है कि किशोरों के जीवन कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किशोर को उनके किशोरावस्था स्वास्थ्य मुद्दों के प्रबंधन को सशक्त बनाना अत्यधिक आवश्यक है। कार्यक्रम किस सफलतापूर्वक संचालन के लिए नोडल शिक्षक अधिकारियों को विभिन्न गतिविधि करवाने एवं मानकीकृत सामग्रियों के प्रयोग पर बोल दिया गया है।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

अर्थव्यवस्था में विकसित भारत@2047-

वर्तमान स्थिति में, भारत एक निम्न-मध्यम आय वर्ग है। उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने के लिए, इसे 2047 तक 13,846 डॉलर प्रति व्यक्ति जीएनआई की बाधा को पार करना होगा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, समृद्धि के तीन प्रमुख संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने तथा काम करने की आवश्यकता है साथ ही समग्र सकल घरेलू उत्पाद में, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करना तथा देश में आय की असमानता में परिवर्तन अवश्य है, यह मुद्रा में समग्र मुद्रास्फीति की दर और विनिमय दर में परिवर्तन के मुख्य तत्व हैं।

निष्कर्ष-

भारत एक संतुलनकारी शक्ति से अग्रणी शक्ति बनने की कगार पर है। यह अपने व्यापक विकास के लिए शांतिपूर्ण आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा वातावरण चाहता है इसी क्रम में उभरते हुए युवा ने

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

भारत को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाई है और इसी पहचान को बनाए रखने एवं भारत की आजादी के १००वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2047 हेतु विकसित भारत की संकल्पना की गई है। देश के युवाओं के लिए विभिन्न योजनाएं उपलब्ध कराई जा रही है साथ ही तकनीकी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रहे हैं जिससे वर्ष 2047 में भारतवर्ष विकासशील नहीं अपितु विकसित भारत के रूप में विश्व में प्रसिद्धि हासिल करें।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

संदर्भ –

Tanveer Bano, Anila Varghese, Indian Journal of Community Health 35 (4), 389-391, 2023.

https://www.india.gov.in/my-government/schemes

https://web.archive.org/web/20220331124852/https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/

https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1977618

https://yas.nic.in/youth-affairs/national-youth-corps

https://pm-yojana.in/viksit-bharat-2047-yojana